लावी मेला 2026: मध्ययुगीन व्यापार-पथ की धरोहर और आज की सांस्कृतिक पहचान

समाचार-संदर्भ: मेला 11-14 नवंबर 2026 को निर्धारित; स्रोत-फीचर 7 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

शिमला जिला प्रशासन की आयोजन-सूची के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय लवी मेला 11-14 नवंबर 2026 को निर्धारित है। हिमाचल प्रदेश के रामपुर बुशहर का यह मेला व्यापार, स्थानीय उत्पादों और हिमालयी सांस्कृतिक संपर्कों को समझने का अवसर देता है। निर्धारित तिथियों को मेले के उद्घाटन या समापन के हो चुकने का प्रमाण न मानें।

स्थान और ऐतिहासिक महत्व

- रामपुर बुशहर हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में सतलुज नदी के बाएँ तट पर है। नगर परिषद के अनुसार यह शिमला से लगभग 130 किलोमीटर दूर है और पुरानी हिंदुस्तान-तिब्बत सड़क पर स्थित है।
- रामपुर पूर्ववर्ती बुशहर रियासत की शीतकालीन राजधानी था। लवी मेला तिब्बत, किन्नौर और भारतीय मैदानी इलाकों के बीच व्यापारिक संबंधों से जुड़ा है।
- रामपुर नगर परिषद के इतिहास-विवरण में बुशहर और तिब्बत के बीच व्यापार-संधि तथा मित्रता के प्रतीक के रूप में घोड़ों और तलवारों के आदान-प्रदान का उल्लेख है। उसी पृष्ठ पर उद्धृत 1961 की जनगणना संधि को राजा केहर सिंह के शासनकाल से जोड़ती है। पृष्ठ पर नाम का एक अन्य रूप केसर सिंह भी है; यहाँ किसी सटीक संधि-वर्ष का दावा नहीं किया गया है।

क्या खरीदा-बेचा जाता रहा है?

नगर परिषद के विवरण में ऊन, पश्मीना, सूखे मेवे, घोड़े, पट्टू, नमदा, चिलगोजा और स्थानीय हस्तशिल्प शामिल हैं। मेला पर्वतीय उत्पादों और मैदानी बाजारों के बीच संपर्क का केंद्र रहा है। व्यापारिक गतिविधियों के साथ लोक-संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम इसकी सामाजिक पहचान का हिस्सा हैं।

परीक्षा के लिए भेद

लवी मेले को रामपुर बुशहर, सतलुज और हिमाचल प्रदेश से जोड़कर याद रखें। पुराने मार्ग और ऐतिहासिक व्यापार-संबंध आज किसी अंतर्राष्ट्रीय सीमा-पार व्यापार की खुली अनुमति का प्रमाण नहीं हैं। मेला-तिथियों की पुष्टि वर्तमान जिला आयोजन-सूची से होती है; ऐतिहासिक पृष्ठ पर पुराने सामान्य विवरण को 2026 की प्रशासनिक सूचना न मानें।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: लवी मेले के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. इसका संबंध हिमाचल प्रदेश के रामपुर बुशहर से है।

II. रामपुर बुशहर सतलुज नदी के बाएँ तट पर स्थित है।

III. यह केवल समुद्री व्यापार की परंपरा से जुड़ा आयोजन है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I और II
(b) केवल II और III
(c) केवल I और III
(d) I, II और III

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

- कथन I और II सही हैं। रामपुर नगर परिषद का विवरण स्थान और नदी की पुष्टि करता है।
- कथन III गलत है: लवी की व्यापारिक विरासत हिमालयी स्थलीय मार्गों तथा बुशहर-तिब्बत संबंधों से जुड़ी है, केवल समुद्री व्यापार से नहीं।

प्रश्न 2: निम्नलिखित में से कौन-सा समूह लवी मेले की पारंपरिक व्यापारिक पहचान से सबसे अधिक मेल खाता है?

(a) पेट्रोलियम, जहाज और समुद्री नमक

(b) ऊन, सूखे मेवे और स्थानीय हस्तशिल्प

(c) केवल सूचना-प्रौद्योगिकी सेवाएँ

(d) केवल अंतरिक्ष प्रक्षेपण उपकरण

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)

नगर परिषद के विवरण में ऊन, पश्मीना, सूखे मेवे, घोड़े और स्थानीय हस्तशिल्प जैसे उत्पाद आते हैं। अन्य विकल्प मेले की वर्णित व्यापारिक पहचान नहीं बताते।

पाठ्यक्रम मानचित्रण:

प्रिलिम्स: भारतीय संस्कृति और भूगोल – मेले, नदी-तट, ऐतिहासिक व्यापारिक मार्ग

संबंधित अध्ययन

- शिल्प समागम मेला 2026: दिल्ली हाट में कारीगरों को बाजार से जोड़ने की पहल
- तवांग पर्यटन मार्ट: स्थानीय कारोबार से वैश्विक बाजार तक

स्रोत

शिमला जिला प्रशासन – अंतर्राष्ट्रीय लवी मेला 2026, 11-14 नवंबर

रामपुर नगर परिषद – नगर और लवी मेले का इतिहास

द हिंदू, 7 नवंबर 2026 – लवी मेले पर फीचर